यह हिमाचल प्रदेश की मत्स्यकि के लिए उत्साहवर्धक क्षण है। हमने मत्स्यकि तकनीकों के नवीनीकरण का सफर इस उद्वेश्य के साथ आगे बढाया है ताकि इस क्षेत्र के स्वरूप को अधिक से अधिक निखारा जा सके; साथ ही मत्स्य पालन के सतत विकास द्वारा इसे आत्मनिर्भर व आर्थिक तौर पर उपयोगी बनाया जा सके।

हमारा मत्स्यकि क्षेत्र प्रदेश के साथ–साथ आम आदमी की आर्थिकी को सुदृढ करने व उनके कल्याण के लिए सदैव महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है। हिमाचल प्रदेश के आत्मनिर्भर राज्य के लक्ष्य को प्राप्त करने में मत्स्य पालन का उपयोगी व लाभकारी व्यवसाय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मै, आप सभी को विभाग की वैबसाईट पर प्रदान की जा रही कल्याणकारी योजनाओं व मत्स्यकि के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकसित तकनीकों की जानकारी लेने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

कल्पनाः–

अंर्तदेशीय मत्स्यकि के संसाधनों का नई पद्वति से सतत विकास व निजि क्षेत्र के उद्यमियों के रचनात्मक सहयोग द्वारा इस व्यवसाय से जुडे लोगों के जीवन स्तर को उंचा उठाने व उनके जीवन को खुशहाल बनाने में विभाग हर पल प्रयासरत रहे।

उद्वेश्यः–

जलाशयों में सतत मत्स्य विकास व उन्नति के लिए सकारात्मक नीति बने, मत्स्य पालन क्षेत्र में निजि क्षेत्र की सहभागिता के लिए ऐसी नीतियां व कार्यक्रम बनाए जाएं ताकि प्रदेश को समृद्व व खुशहाल बनाने में अहम भूमिका अदा की जा सके।

(रमेश ध्वाला)